महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय

Maharshi Panini Sanskrit Evam Vedic Vishwavidyalaya

देवासमार्ग, उज्जैन, (मध्यप्रदेश). 456010

Website:- www.mpsvv.ac.in

आन्तरिक गुणवत्ता एवं आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC)

एकादशवीं वैठक का कार्य सूची

वैठक दिनांक – 12 दिसम्बर 2023

वैठक का समय – 11.00 A.M

विषय क्रमांक 1 - दशम बैठक का कार्यपालन प्रतिवेदन

क्र. 01 – विश्वविद्यालय के अध्ययन मण्डलो में छात्र प्रतिनिधि का मनोनयन करने विषयक।

टीप – विश्वविद्यालय के अध्ययन मण्डलो में छात्रों का पक्ष जानने की दृष्टि से छात्र प्रतिनिधि को सम्मिलित किया जाना उचित है।

संस्तुति – पाठ्यक्रम की गुणवत्ता एवं छात्रों के लिए अधिक उपयोगी वनाए जाने की दृष्टि से छात्र प्रतिनिधि को सम्मिलित किया जाना उचित प्रतीति होता है। अतः छात्र प्रतिनिधि का मनोनयन माननीय कुलपति जी द्वारा किया जाना चाहिए। तथा विद्यापरिषद् में प्रस्ताव प्रस्तुत कर अनुमोदन प्राप्त किया जाए।

कार्यान्वयन – विद्याविभाग द्वारा कार्यवाही की जा रही है।

क्र.02 – छात्रों के लिए प्रेरणा व्याख्यान आयोजन करने विषयक।

टीप – नव प्रवेशित छात्रो को संस्कृत भाषा एवं साहित्य के महत्त्व से परिचित कराने की दृष्टि से विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन सत्रारम्भ के दिन किया जाना प्रस्तावित है।

संस्तुति - विश्वविद्यालय में नवप्रवेशित छात्रों के लिए प्रेरणा व्याख्यान सत्रारम्भ के दिन आयोजित किया जाए।

कार्यान्वयन – विश्वविद्यालय अध्यापन विभाग द्वारा 5 जुलाई 2023 को प्रेरणा व्याख्यान का आयोजन किया गया।

क्र. 03 – नैक मूल्याङ्कण हेतु ऑनलाईन आवेदन प्रस्तुत करने विषयक।

टीप – विश्वविद्यालय की नैक टीम द्वारा नैक मूल्याङ्कण हेतु IIQA फाइल सवमिट किया जाना प्रस्तावित है।

संस्तुति – नैक के संयोजक एवं आई.क्यू.ए.सी के मार्गदर्शक के निर्देशन में कार्य सम्पन्न किया जाए।

कार्यान्वयन – कार्यवाही प्रचलन में है।

निदेशक
आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय उज्जैन (म.प्र.)

क्र. 04 – कार्यशाला एवं राष्टीय संगोष्ठिया आयोजन करने विषयक।

टीप – विश्वविद्यालय अध्यापन विभागो द्वारा कार्यशाला एवं संगोष्ठीओ तथा विशेष व्याख्यानो का आयोजन किया जाना प्रस्तावित है।

संस्तुति – विभागो द्वारा आवश्यक कार्यवाही की जाए।

कार्यान्वयन – दर्शन एवं व्याकरण विभाग के संयोजन में त्रिदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन ICPR के संयोग से दिनांक 26-28 जुलाई 2023 को किया गया।

क्र.05 – पौधारोपण करवाने विषयक

टीप – विश्वविद्यालय में नक्षत्र एवं नवग्रह से सम्बन्धित पौधो का आरोपण किया जाना प्रस्तावित है।

संस्तुति – पौधारोपण करवाया जाए।

कार्यान्वयन – Nivedita Endeavor for Social Transformation (NEST) के सहयोग से दिनांक 23 जुलाई 2023 परिसर में पौधारोपण किया गया। एवं 25 जुलाई को NSS ईकाई द्वारा 108 पौधे रोपे गए।

क्र.06 - अध्यक्ष की अनुमति से अन्य विषय

परिसर में छात्रों एवं स्टाफ की सुविधा के लिए कैन्टिन प्रारम्भ करने विषयक।

टीप – समिति सदस्य छात्रा प्रतिनिधि नर्मदा परमार द्वारा परिसर में कैन्टिन व्यवस्था प्रारम्भ करने हेतु अनुरोध किया गया। जिसे मान्य करते हुए महिला स्वसहायता समूह से चर्चा कर कैन्टिन प्रारम्भ करने को कहा गया।

संस्तुति – टीप अनुसार।

कार्यान्वयन – स्थापना शाखा द्वारा कार्यवाही प्रक्रिया में है।

विषय क्रमांक 2 – सरल मानक संस्कृत कार्यशाला आयोजन करने विषयक

टीप – विद्यार्थिओं को सुबोध एवं सरल मानक संस्कृत में अध्यापन प्रदान करने के लिए शिक्षकों को प्रशिक्षित करने की दृष्टि से सरलमानक संस्कृत कार्यशाला का आयोजन किया जाना है।

संस्तुति –

कार्यान्वयन –

विषय क्रमांक 3 – छात्रों को शास्त्रार्थ विधि का विशेष प्रशिक्षण प्रदान करने विषयक

टीप – छात्रों को विषय का गम्भीर एवं तात्त्विक ज्ञान का प्रतिपादन करने की दृष्टि से शास्त्रार्थ विधि अत्यन्त उपयोगी होती है।

संस्तुति –

कार्यान्वयन –

निदेशक
आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय उज्जैन (म.प्र.)

विषय क्रमांक 4 – ध्येयवाक्यविश्लेषण कार्यशाला का आयोजन करने विषयक।, अनुवाद कार्यशाला

टीप – विविध संस्थाओं के ध्येय वाक्यो में संस्कृत के ध्येयवाक्य होते है। प्रायः देखा गया है की उनका वास्तविक अर्थ तथा संदर्भ ज्ञात नही होते है। अतः इस प्रकार की एक कार्यशाला का आयोजन किया जाना प्रस्तावित है।

संस्तुति –

कार्यान्वयन –

विषय क्रमांक 5 – अनुवाद कार्यशाला का आयोजन करने विषयक।

टीप – छात्रो में संस्कृत से हिन्दी तथा हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद कौशल के विकास हेतु अनुवाद कार्यशाला का आयोजन किया जाना है।

संस्तुति –

कार्यान्वयन –

विषय क्रमांक 6 – विशिष्ट व्याख्यानों की श्रृङ्खला प्रारम्भ करने विषयक

टीप – विश्वविद्यालय में लगभग दश विभाग सञ्चालित है। जिनमें पृथक पृथक शास्त्रो का अध्यापन होता है। छात्र अपने मूल विषय के साथ अन्यो विषयों का भी ज्ञान प्राप्त कर सके इसके लिए अलग अलग विषयों पर केन्द्रित व्याख्यानो की श्रृङ्खला प्रारम्भ किया जाना प्रस्तावित है।

संस्तुति –

कार्यान्वयन –

विषय क्रमांक 7 – नैक कार्य विषयक।

टीप – नैक मूल्याङ्कण हेतु ऑनलाइन आवेदन IIQA की पूर्ति की जाए। जिससे शीघ्र ही एस.एस.आर कार्य प्रारम्भ हो।

संस्तुति –

कार्यान्वयन –

विषय क्रमांक 8 – अध्यक्ष की अनुमति से अन्य विषय।

निदेशक
आन्तरिक गुणवत्ता एवं आश्वासन प्रकोष्ठ
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन

निदेशक
आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय उज्जैन (म.प्र.)

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय

Maharshi Panini Sanskrit Evam Vedic Vishwavidyalaya

देवासमार्ग, उज्जैन, (मध्यप्रदेश). 456010

Website:- www.mpsvv.ac.in

आन्तरिक गुणवत्ता एवं आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC)

एकादशवीं वैठक का कार्यवृत्त

वैठक दिनांक – 12 दिसम्बर 2023

वैठक का समय – 11.00 A.M

विषय क्रमांक 01 - दशम बैठक का कार्यपालन प्रतिवेदन

क्र. 01 – विश्वविद्यालय के अध्ययन मण्डलो में छात्र प्रतिनिधि का मनोनयन करने विषयक।

टीप – विश्वविद्यालय के अध्ययन मण्डलो में छात्रों का पक्ष जानने की दृष्टि से छात्र प्रतिनिधि को सम्मिलित किया जाना उचित है।

संस्तुति – पाठ्यक्रम की गुणवत्ता एवं छात्रों के लिए अधिक उपयोगी वनाए जाने की दृष्टि से छात्र प्रतिनिधि को सम्मिलित किया जाना उचित प्रतीति होता है। अतः छात्र प्रतिनिधि का मनोनयन माननीय कुलपति जी द्वारा किया जाना चाहिए। तथा विद्यापरिषद् में प्रस्ताव प्रस्तुत कर अनुमोदन प्राप्त किया जाए।

कार्यान्वयन – विद्याविभाग द्वारा कार्यवाही की जा रही है।

क्र.02 – छात्रों के लिए प्रेरणा व्याख्यान आयोजन करने विषयक।

टीप – नव प्रवेशित छात्रो को संस्कृत भाषा एवं साहित्य के महत्त्व से परिचित कराने की दृष्टि से विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन सत्रारम्भ के दिन किया जाना प्रस्तावित है।

संस्तुति - विश्वविद्यालय में नवप्रवेशित छात्रों के लिए प्रेरणा व्याख्यान सत्रारम्भ के दिन आयोजित किया जाए।

कार्यान्वयन – विश्वविद्यालय अध्यापन विभाग द्वारा 5 जुलाई 2023 को प्रेरणा व्याख्यान का आयोजन किया गया।

क्र. 03 – नैक मूल्याङ्कण हेतु ऑनलाईन आवेदन प्रस्तुत करने विषयक।

टीप – विश्वविद्यालय की नैक टीम द्वारा नैक मूल्याङ्कण हेतु IIQA फाइल सवमिट किया जाना प्रस्तावित है।

संस्तुति – नैक के संयोजक एवं आई.क्यू.ए.सी के मार्गदर्शक के निर्देशन में कार्य सम्पन्न किया जाए।

कार्यान्वयन – कार्यवाही प्रचलन में है।

निदेशक
आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय उज्जैन (म.प्र.)

क्र. 04 – कार्यशाला एवं राष्टीय संगोष्ठिया आयोजन करने विषयक।

टीप – विश्वविद्यालय अध्यापन विभागो द्वारा कार्यशाला एवं संगोष्ठीओ तथा विशेष व्याख्यानो का आयोजन किया जाना प्रस्तावित है।

संस्तुति – विभागो द्वारा आवश्यक कार्यवाही की जाए।

कार्यान्वयन – दर्शन एवं व्याकरण विभाग के संयोजन में त्रिदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन ICPR के संयोग से दिनांक 26-28 जुलाई 2023 को किया गया।

क्र.05 – पौधारोपण करवाने विषयक

टीप – विश्वविद्यालय में नक्षत्र एवं नवग्रह से सम्बन्धित पौधो का आरोपण किया जाना प्रस्तावित है।

संस्तुति – पौधारोपण करवाया जाए।

कार्यान्वयन – Nivedita Endeavor for Social Transformation (NEST) के सहयोग से दिनांक 23 जुलाई 2023 परिसर में पौधारोपण किया गया। एवं 25 जुलाई को NSS ईकाई द्वारा 108 पौधे रोपे गए।

क्र.06 - अध्यक्ष की अनुमति से अन्य विषय

परिसर में छात्रों एवं स्टाफ की सुविधा के लिए कैन्टिन प्रारम्भ करने विषयक।

टीप – समिति सदस्य छात्रा प्रतिनिधि नर्मदा परमार द्वारा परिसर में कैन्टिन व्यवस्था प्रारम्भ करने हेतु अनुरोध किया गया। जिसे मान्य करते हुए महिला स्वसहायता समूह से चर्चा कर कैन्टिन प्रारम्भ करने को कहा गया।

संस्तुति – टीप अनुसार।

कार्यान्वयन – स्थापना शाखा द्वारा कार्यवाही प्रक्रिया में है।

विषय क्रमांक 2 – सरल मानक संस्कृत कार्यशाला आयोजन करने विषयक

टीप – विद्यार्थिओं को सुबोध एवं सरल मानक संस्कृत में अध्यापन प्रदान करने के लिए शिक्षकों को प्रशिक्षित करने की दृष्टि से सरलमानक संस्कृत कार्यशाला का आयोजन किया जाना है।

संस्तुति – टीप अनुसार कार्यशाला का आयोजन किया जाए।

कार्यान्वयन – संस्कृत शिक्षण प्रशिक्षण केन्द्र

विषय क्रमांक 3 – छात्रों को शास्त्रार्थ विधि का विशेष प्रशिक्षण प्रदान करने विषयक

टीप – छात्रों को विषय का गम्भीर एवं तात्त्विक ज्ञान का प्रतिपादन करने की दृष्टि से शास्त्रार्थ विधि अत्यन्त उपयोगी होती है।

संस्तुति – शास्त्रार्थ विधि प्रशिक्षण सम्बन्धित विभागो द्वारा आयोजित किया जाना चाहिए।

कार्यान्वयन – अध्यापन विभाग।

निदेशक
आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय उज्जैन (म.प्र.)

विषय क्रमांक 4 – ध्येयवाक्यविश्लेषण कार्यशाला का आयोजन करने विषयक।

टीप – विविध संस्थाओं के ध्येय वाक्यो में संस्कृत के ध्येयवाक्य होते है। प्रायः देखा गया है की उनका वास्तविक अर्थ तथा संदर्भ ज्ञात नही होते है। अतः इस प्रकार की एक कार्यशाला का आयोजन किया जाना प्रस्तावित है।

संस्तुति – कार्यशाला का आयोजन किया जाए।

कार्यान्वयन – संस्कृत शिक्षण प्रशिक्षण केन्द्र।

विषय क्रमांक 5 – अनुवाद कार्यशाला का आयोजन करने विषयक।

टीप – छात्रो में संस्कृत से हिन्दी तथा हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद कौशल के विकास हेतु अनुवाद कार्यशाला का आयोजन किया जाना है।

संस्तुति – कार्यशाला का आयोजन किया जाए।

कार्यान्वयन – संस्कृत शिक्षण प्रशिक्षण केन्द्र।

विषय क्रमांक 6 – विशिष्ट व्याख्यानों की श्रृङ्खला प्रारम्भ करने विषयक

टीप – विश्वविद्यालय में लगभग दश विभाग सञ्चालित है। जिनमें पृथक पृथक शास्त्रो का अध्यापन होता है। छात्र अपने मूल विषय के साथ अन्यो विषयों का भी ज्ञान प्राप्त कर सके इसके लिए अलग अलग विषयों पर केन्द्रित व्याख्यानो की श्रृङ्खला प्रारम्भ किया जाना प्रस्तावित है।

संस्तुति – उत्तम प्रस्ताव है। व्याख्यानमाला प्रारम्भ करनी चाहिए।

कार्यान्वयन – समस्त अध्यापन विभाग।

विषय क्रमांक 7 – नैक कार्य विषयक।

टीप – नैक मूल्याङ्कण हेतु ऑनलाइन आवेदन IIQA की पूर्ति की जाए। जिससे शीघ्र ही एस.एस.आर कार्य प्रारम्भ हो।

संस्तुति – यथाशीघ्र IIQA सावमिट की जाए।

कार्यान्वयन – आई.क्यू.ए.सी एवं नैक संयोजक।

विषय क्रमांक 8 – अध्यक्ष की अनुमति से अन्य विषय।

निदेशक (IQAC)
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक
विश्वविद्यालय, उज्जैन

निदेशक
आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय उज्जैन (म.प्र.)

कुलपतिः
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं
वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
Maharshi Panini Sanskrit Evam Vedic Vishwavidyalaya

देवासमार्ग, उज्जैन, (मध्यप्रदेश). 456010

Website:- www.mpsvv.ac.in

क्र./आई.क्यू. ए. सी/23/21 दिनांक – 08.12.2023

आन्तरिक गुणवत्ता एवं आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC)

सूचना

प्रति,

सम्माननीय सदस्य गण

आई. क्यू. ए. सी.

म.पा.सं.वि.वि, उज्जैन

विषय – आई. क्यू. ए. सी की वैठक में उपस्थित होने विषयक।

महोदय,

सहर्ष सूच्य है कि आई. क्यू. ए. सी की एकादशवीं वैठक आई.क्यू.ए.सी के अध्यक्ष माननीय कुलपति जी के आदेशानुसार दिनांक 12.12.2023 को विश्वविद्यालय की पतञ्जलि भवन के संगोष्ठी कक्ष में वैठक आयोजित की गई है।

कृपया उपस्थित होकर बहुमूल्य सुझावों से उपकृत करने का कष्ट करें।

संलग्न – वैठक की कार्यसूची

निदेशक

आई.क्यु.ए.सी

क्र./आई.क्यू. ए. सी/23/22 दिनांक – 08.12.2023

प्रतिलिपि सूचनार्थ–

1. माननीय कुलपति के निज सहायक, म.पा.सं.वै.वि.वि, उज्जैन
2. श्रीमान् कुलसचिव के निज सहायक, म.पा.सं.वै.वि.वि, उज्जैन
3. वित्त नियन्त्रक, म.पा.सं.वै.वि.वि, उज्जैन
4. सभी सम्माननीय सदस्य गण की ओर सूचनार्थ
5. गार्डफाइल

निदेशक

आई.क्यु.ए.सी

निदेशक
आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय उज्जैन (म.प्र.)

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय

Maharshi Panini Sanskrit Evam Vedic Vishwavidyalaya

देवासमार्ग, उज्जैन, (मध्यप्रदेश). 456010

Website:- www.mpsvv.ac.in

आन्तरिक गुणवत्ता एवं आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC)

दशवीं वैठक का कार्यवृत्त

वैठक दिनांक – 09 जून 2023

वैठक का समय – 11.00 A.M

विषय क्रमांक 1 - नौवीं बैठक का कार्यपालन प्रतिवेदन

क्र. 01 – विश्वविद्यालय के लिए NAAC की ग्रेडींग प्राप्ति हेतु कार्ययोजना विषयक।

टीप – विश्वविद्यालय को NAAC द्वारा मूल्यांकन एवं प्रत्यायन करवाया जाना है। तत्सन्दर्भ में आवश्यक कार्यवाही प्रारम्भ है। समिति सदस्यों का उक्त सन्दर्भ में मार्गदर्शन अपेक्षित है।

संस्तुति – नैक टीम के द्वारा किए जा रहे कार्य की जानकारी प्राप्त कि गई। नैक संयोजक डॉ शुभम शर्मा ने वताया की एस. एस. आर् लगभग तैयार है। 18 दिसम्बर को कर्णाटक संस्कृत विश्वविद्यालय से प्रो. शिवानी को विशिष्ट मार्गदर्शन तथा व्याख्यान हेतु आमन्त्रित किया गया है। इस कार्य के लिए प्रो. कविता होले, कविकुलगुरु कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय, नागपुर को मार्गदर्शक नियुक्त कर नैक तैयारी की कारवाही चल रही है। आशा है आगामि दिनों में तैयारी शीघ्र पूर्ण कर ली जाएगी।

कार्यान्वयन – प्रो. कविता होले, कविकुलगुरुकालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय को मार्गदर्शक नियुक्त कर आवश्यक कारवाही की जा रही है।

क्र. 02 - विविध शैक्षणिक संस्थाओं के साथ अनुबंध विषयक।

टीप – विश्वविद्यालय द्वारा शैक्षणिक परिलब्धियों को साझा करने तथा मिलकर कार्य करने की दृष्टि से अनेक शैक्षणिक संस्थाओं के साथ अनुबंध किया गया है। जो विषय क्रमांक 1 में उल्लिखित है। अन्य संस्थायों के साथ अनुबन्ध (MOU) हेतु विचार आमन्त्रित है।

संस्तुति - जिन संस्थाओं के साथ शैक्षणिक अनुबन्ध किया गया है। उन संस्थाओं के साथ मिलकर वर्ष में कम से कम एकवार कार्याशाला/शोध संगोष्ठी/ परिचर्चा आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना चाहिए। इसके लिए विश्वविद्यालय में कार्यरत सम्बन्धित शिक्षक को संयोजक नियुक्त किया जाए। जो आवश्यक कारवाही समय समय में सम्पादित करेगा। समिति सदस्यों ने सुझाव दिया की विक्रमादित्य शोध पीठ, उज्जैन के साथ अनुबन्ध किया जा सकता है।

निदेशक
आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय उज्जैन (म.प्र.)

कार्यान्वयन – विद्याविभाग द्वारा कारवाही प्रचलन में है।

क्र.03 - अन्तरविषयी शोध को बढावा देने हेतु कार्ययोजना पर विचार।

टीप – संस्कृत में सभी प्रकार की विद्याओं, विज्ञानों तथा विषयों का विवेचन प्राप्त होता है। भारतीय ज्ञान परम्परा को समग्र रूप से समझने के लिए प्राचीन ज्ञान का आधुनिक ज्ञान के साथ समन्वय कर शोध कार्य किया जाना आवश्यक है। उक्त विषय पर कार्ययोजना हेतु विचार आमन्त्रित है।

संस्तुति - आई क्यू ए सी द्वारा अन्तर्विषयी शोध को बढावा देने कि लिए ऑनलाइन अथवा ऑफलाइन कार्याशाला आयोजित किया जाए। इस सन्दर्भ में आई क्यू ए सी के सदस्य प्रो. गण्टी एस. मूर्ति आई. आई. टी, इन्दौर से विशेष परामर्श किया जाए। समिति सदस्यों ने सुझाव दिया की शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, उज्जैन के साथ मिलकर योग तथा आयुर्वेद विषय पर अन्तर्विषयी कार्यशाला आयोजित की जा सकती है।

कार्यान्वयन – शोध विभाग तथा आई क्यू ए सी द्वारा कारवाही प्रचलन है।

क्र.04 - भारतीय ज्ञान परम्परा (IKS) में विश्वविद्यालय की भूमिका तय करने पर विचार।

टीप – यह विश्वविद्यालय भारतीय ज्ञान परम्परा के संरक्षण तथा संवर्धन हेतु स्थापित है। केनद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना "भारतीय ज्ञान परम्परा" आधुनिक ज्ञान-विज्ञान को प्राचीन ज्ञान-विज्ञान के साथ अध्ययन तथा शोध को बढावा देने के लिए कार्य कर रही है। विश्वविद्यालय उक्त दिशा में महत्वपूर्ण सहयोगी बनकर योजना के सफल क्रियान्वयन में अपनी भूमिका अदा कर सकता है। उक्त पर विचार आमन्त्रित है।

संस्तुति – भारतीय ज्ञान परम्परा पर केन्द्रित कार्यशाला अथवा संगोष्ठी का आयोजन आई क्यू ए सी द्वारा किया जाए। माननीय कुलपति जी ने निर्देश किया की राजा भोज द्वारा चौराशी ग्रन्थ लिखे गए है। जिनपर प्रामाणिक संस्कृत व्याख्या तथा हिन्दी व्याख्या की आवश्यकता है। अतः विश्वविद्यालय में कार्यरत शिक्षक तथा बाह्य संस्थायों में कार्यरत शिक्षकों से चर्चा कर उक्त कार्य को करवाया जा सकता है। तथा राजा भोज के ग्रन्थों की पूरी सीरीज् प्रकाशित की जा सकती है। इसके लिए एक प्रोजेक्ट बनाकर आई. के. एस, दिल्ली को भेजा जा सकता है।

कार्यान्वयन – आई क्यू ए सी द्वारा आवश्यक कारवाही प्रचलन में है।

क्र. 05 - राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुक्रम में संस्कृत के अध्ययन-अध्यापन तथा शोध कार्य की विशेष सम्भावनाओं पर विचार।

टीप – राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भारतीय भाषाओं तथा भारतीय ज्ञान विज्ञान परम्परा को बढावा देने के लिए उल्लिखित मार्गदर्शी सिद्धान्तों में संस्कृत शिक्षा के अध्ययन अध्यापन तथा शोध कार्य की विशेष सम्भावनाएं विद्यमान है। अतः विषयोक्त विषय पर विचार आमन्त्रित है।

आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय उज्जैन (म.प्र.)

संस्तुति – समिति सदस्य डॉ. अखिलेश कुमार द्विवेदी ने वताया की विश्वविद्यालय के संस्कृत शिक्षण प्रशिक्षण केन्द्र की ओर से सरल मानक संस्कृत तथा अनुवाद कार्यशाला के लिए प्रस्ताव भेजा जा चुका है। विविध संस्थाओं के संस्कृत ध्येयवाक्यों पर विस्तृत सन्दर्भ तैयार करने की भी कार्ययोजना पर विश्वविद्यालय को कार्य करना चाहिए। विश्वविद्यालय द्वारा संस्कृत विषय को संस्कृत में ही पढाए जाने हेतु एक ओरियेन्टेशन प्रोग्राम का आयोजन आई क्यू ए सी द्वारा किया जाए। जिसमे बाह्य संस्थायों के शिक्षकों को भी आमन्त्रित किया जाए।

कार्यान्वयन – विद्या विभाग तथा आई क्यू ए सी द्वारा कारवाही प्रक्रिया में है।

क्र. 06. – विश्वविद्यालय में CBCS पाठ्यक्रम लागू करने विषयक।

यू.जी.सी. की गाइडलाइन के अनुसार स्नातको स्तर कक्षाओं में CBCS का पाठ्यक्रम सत्र 22-23 से विश्वविद्यालय के अध्यापन विभागों मे लागू किया जा चुका है।

संस्तुति – माननीय कुलपति जी ने निर्देश प्रदान किया की महाविद्यालयों में भी CBCS पाठ्यक्रम आगामी सत्र से लागु किया जाए। इसके लिए शीघ्र ही विद्यापरिषद् की वैठक में उपर्युक्त प्रस्ताव का अनुमोदन प्राप्त किया जाए। उक्त कार्य हेतु विद्याविभाग को निर्देशित किया गया।

कार्यान्वयन – विद्या विभाग द्वारा कार्यवाही प्रक्रिया में है।

क्र. 8 - अध्यक्ष की अनुमति से अन्य विषय।

गैर शैक्षणिक कर्मचारियों के लिए ई-फाईलिंग कार्यशाला का आयोजन करने विषयक।

टीप – शासन के निर्देशानुसार ई-फाईलिंग प्रक्रिया प्रचलित है। आगामी समय में शासन के समस्त कार्य ई-फाईलिंग के माध्यम से किए जाने सुनिश्चित किए जायेंगे। अतः ई-फाईलिंग कार्यशाला कार्यालयीन गैर शैक्षणिक कर्मचारियों हेतु करवाना प्रस्तावित है।

संस्तुति – शासन के निर्देशानुसार ई-फाईलिंग कार्यशाला निदेशक के मार्गदर्शन में करवाई जाना उचित है। इस हेतु संस्तुति की जाती है।

कार्यान्वयन – आई.क्यू.ए.सी द्वारा दिनांक 3 से 7 मार्च 2023 को गैर शैक्षणिक कर्मचारियों के लिए पञ्च दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया है।

गैर शैक्षणिक कर्मचारियों के लिए कम्प्यूटर प्रविणता प्रशिक्षण करवाने विषयक।

टीप – मध्यप्रदेश शासन ने अनेक प्रकार की कम्प्यूटर प्रावीणता परीक्षा आयोजित की जाने लगी है। इस सन्दर्भ में विश्वविद्यालय के कर्मचारियों हेतु उक्त कार्य करवाना प्रस्तावित है।

संस्तुति – टीप अनुसार कार्य सम्पादित किया जा सकता है।

कार्यान्वयन – आई.क्यू.ए.सी द्वारा 25 से 28 अप्रैल 2023 को गैर शैक्षणिक कर्मचारियों के लिए चार दिवस कार्यशाला का आयोजन किया गया है।

निदेशक
आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय उज्जैन (म.प्र.)

विषय क्रमांक. 2 – विश्वविद्यालय के अध्ययन मण्डलो में छात्र प्रतिनिधि का मनोनयन करने विषयक।

टीप – विश्वविद्यालय के अध्ययन मण्डलो में छात्रों का पक्ष जानने की दृष्टि से छात्र प्रतिनिधि को सम्मिलित किया जाना उचित है।

संस्तुति – पाठ्यक्रम की गुणवत्ता एवं छात्रों के लिए अधिक उपयोगी वनाए जाने की दृष्टि से छात्र प्रतिनिधि को सम्मिलित किया जाना उचित प्रतीति होता है। अतः छात्र प्रतिनिधि का मनोनयन माननीय कुलपति जी द्वारा किया जाना चाहिए। तथा विद्यापरिषद् में प्रस्ताव प्रस्तुत कर अनुमोदन प्राप्त किया जाए।

कार्यान्वयन – विद्याविभाग द्वारा किया जाए।

विषय क्रमांक 3 – छात्रों के लिए प्रेरणा व्याख्यान आयोजन करने विषयक।

टीप – नव प्रवेशित छात्रो को संस्कृत भाषा एवं साहित्य के महत्त्व से परिचित कराने की दृष्टि से विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन सत्रारम्भ के दिन किया जाना प्रस्तावित है।

संस्तुति - विश्वविद्यालय में नवप्रवेशित छात्रों के लिए प्रेरणा व्याख्यान सत्रारम्भ के दिन आयोजित किया जाए।

कार्यान्वयन – विश्वविद्यालय अध्यापन विभाग।

विषय क्र. 4 – नैक मूल्याङ्कण हेतु ऑनलाईन आवेदन प्रस्तुत करने विषयक।

टीप – विश्वविद्यालय की नैक टीम द्वारा नैक मूल्याङ्कण हेतु IIQA फाइल सवमिट किया जाना प्रस्तावित है।

संस्तुति – नैक के संयोजक एवं आई.क्यू.ए.सी के मार्गदर्शक के निर्देशन में कार्य सम्पन्न किया जाए।

कार्यान्वयन – नैक संयोजक एवं टीम।

विषय क्र. 5 – कार्यशाला एवं राष्टीय संगोष्ठिया आयोजन करने विषयक।

टीप – विश्वविद्यालय अध्यापन विभागो द्वारा कार्यशाला एवं संगोष्ठीओ तथा विशेष व्याख्यानो का आयोजन किया जाना प्रस्तावित है।

संस्तुति – विभागो द्वारा आवश्यक कार्यवाही की जाए।

कार्यान्वयन – समस्त अध्यापन विभाग

विषय क्र.6 – पौधारोपण करवाने विषयक

टीप – विश्वविद्यालय में नक्षत्र एवं नवग्रह से सम्बन्धित पौधो का आरोपण किया जाना प्रस्तावित है।

संस्तुति – ज्योतिष विभाग के मार्गदर्शन में पौधारोपण करवाया जाए।

कार्यान्वयन – ज्योतिष विभाग

विषय क्र.7 - अध्यक्ष की अनुमति से अन्य विषय

परिसर में छात्रों एवं स्टाफ की सुविधा के लिए कैन्टिन प्रारम्भ करने विषयक।

आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय उज्जैन (म.प्र.)

टीप – समिति सदस्य छात्रा प्रतिनिधि नर्मदा परमार द्वारा परिसर में कैन्टिन व्यवस्था प्रारम्भ करने हेतु अनुरोध किया गया। जिसे मान्य करते हुए महिला स्वसहायता समूह से चर्चा कर कैन्टिन प्रारम्भ करने को कहा गया।

संस्तुति – टीप अनुसार।

कार्यान्वयन – स्थापना शाखा द्वारा किया जाए।

निदेशक (IQAC)

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक

विश्वविद्यालय, उज्जैन

निदेशक
आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय उज्जैन

कुलपतिः

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं

वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय

Maharshi Panini Sanskrit Evam Vedic Vishwavidyalaya

देवासमार्ग, उज्जैन, (मध्यप्रदेश). 456010

Website:- www.mpsvv.ac.in

क्र./मपासंवि/आई.क्यू. ए. सी/23/20 दिनांक - 09.06.2023

आन्तरिक गुणवत्ता एवं आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC)

दशम वैठक का कार्य सूची

वैठक दिनांक – 09 जून 2023

वैठक का समय – 11.00 A.M

विषय क्रमांक 1 - नवम बैठक का कार्यपालन प्रतिवेदन

क्रं. 1 – विश्वविद्यालय के लिए NAAC की ग्रेडींग प्राप्ति हेतु कार्ययोजना विषयक।

टीप – विश्वविद्यालय को NAAC द्वारा मूल्यांकन एवं प्रत्यायन करवाया जाना है। तत्सन्दर्भ में आवश्यक कार्यवाही प्रारम्भ है। समिति सदस्यों का उक्त सन्दर्भ में मार्गदर्शन अपेक्षित है।

संस्तुति – नैक टीम के द्वारा किए जा रहे कार्य की जानकारी प्राप्त कि गई। नैक संयोजक डॉ शुभम शर्मा ने वताया की एस. एस. आर् लगभग तैयार है। 18 दिसम्बर को कर्णाटक संस्कृत विश्वविद्यालय से प्रो. शिवानी को विशिष्ट मार्गदर्शन तथा व्याख्यान हेतु आमन्त्रित किया गया है। इस कार्य के लिए प्रो. कविता होले, कविकुलगुरु कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय, नागपुर को मार्गदर्शक नियुक्त कर नैक तैयारी की कारवाही चल रही है। आशा है आगामि दिनों में तैयारी शीघ्र पूर्ण कर ली जाएगी।

कार्यान्वयन – आई. क्यू. ए. सी.

क्र. 2 - विविध शैक्षणिक संस्थाओं के साथ अनुबंध विषयक।

टीप – विश्वविद्यालय द्वारा शैक्षणिक परिलब्धियों को साझा करने तथा मिलकर कार्य करने की दृष्टि से अनेक शैक्षणिक संस्थाओं के साथ अनुबंध किया गया है। जो विषय क्रमांक 1 में उल्लिखित है। अन्य संस्थायों के साथ अनुबन्ध (MOU) हेतु विचार आमन्त्रित है।

संस्तुति - जिन संस्थाओं के साथ शैक्षणिक अनुबन्ध किया गया है। उन संस्थाओं के साथ मिलकर वर्ष में कम से कम एकवार कार्याशाला/शोध संगोष्ठी/ परिचर्चा आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना चाहिए। इसके लिए विश्वविद्यालय में कार्यरत सम्बन्धित शिक्षक को संयोजक नियुक्त किया जाए। जो आवश्यक कारवाही समय समय में सम्पादित करेगा। समिति सदस्यों ने सुझाव दिया की विक्रमादित्य शोध पीठ, उज्जैन के साथ अनुबन्ध किया जा सकता है।

निदेशक
आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय उज्जैन (म.प्र.)

कार्यान्वयन – विद्याविभाग द्वारा कारवाही प्रचलन में है।

क्र.3 - अन्तरविषयी शोध को बढावा देने हेतु कार्ययोजना पर विचार।

टीप – संस्कृत में सभी प्रकार की विद्याओं, विज्ञानों तथा विषयों का विवेचन प्राप्त होता है। भारतीय ज्ञान परम्परा को समग्र रूप से समझने के लिए प्राचीन ज्ञान का आधुनिक ज्ञान के साथ समन्वय कर शोध कार्य किया जाना आवश्यक है। उक्त विषय पर कार्ययोजना हेतु विचार आमन्त्रित है।

संस्तुति - आई क्यू ए सी द्वारा अन्तर्विषयी शोध को बढावा देने कि लिए ऑनलाइन अथवा ऑफलाइन कार्याशाला आयोजित किया जाए। इस सन्दर्भ में आई क्यू ए सी के सदस्य प्रो. गण्टी एस. मूर्ति आई. आई. टी, इन्दौर से विशेष परामर्श किया जाए। समिति सदस्यों ने सुझाव दिया की शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, उज्जैन के साथ मिलकर योग तथा आयुर्वेद विषय पर अन्तर्विषयी कार्यशाला आयोजित की जा सकती है।

कार्यान्वयन – शोध विभाग तथा आई क्यू ए सी द्वारा कारवाही प्रचलन है।

क्र.4 - भारतीय ज्ञान परम्परा (IKS) में विश्वविद्यालय की भूमिका तय करने पर विचार।

टीप – यह विश्वविद्यालय भारतीय ज्ञान परम्परा के संरक्षण तथा संवर्धन हेतु स्थापित है। केनद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना "भारतीय ज्ञान परम्परा" आधुनिक ज्ञान-विज्ञान को प्राचीन ज्ञान-विज्ञान के साथ अध्ययन तथा शोध को बढावा देने के लिए कार्य कर रही है। विश्वविद्यालय उक्त दिशा में महत्वपूर्ण सहयोगी बनकर योजना के सफल क्रियान्वयन में अपनी भूमिका अदा कर सकता है। उक्त पर विचार आमन्त्रित है।

संस्तुति – भारतीय ज्ञान परम्परा पर केन्द्रित कार्यशाला अथवा संगोष्ठी का आयोजन आई क्यू ए सी द्वारा किया जाए। माननीय कुलपति जी ने निर्देश किया की राजा भोज द्वारा चौराशी ग्रन्थ लिखे गए है। जिनपर प्रामाणिक संस्कृत व्याख्या तथा हिन्दी व्याख्या की आवश्यकता है। अतः विश्वविद्यालय में कार्यरत शिक्षक तथा बाह्य संस्थायों में कार्यरत शिक्षकों से चर्चा कर उक्त कार्य को करवाया जा सकता है। तथा राजा भोज के ग्रन्थों की पूरी सीरीज् प्रकाशित की जा सकती है। इसके लिए एक प्रोजेक्ट बनाकर आई. के. एस, दिल्ली को भेजा जा सकता है।

कार्यान्वयन – आई क्यू ए सी द्वारा आवश्यक कारवाही प्रचलन में है।

क्र. 5 - राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुक्रम में संस्कृत के अध्ययन-अध्यापन तथा शोध कार्य की विशेष सम्भावनाओं पर विचार।

टीप – राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भारतीय भाषाओं तथा भारतीय ज्ञान विज्ञान परम्परा को बढावा देने के लिए उल्लिखित मार्गदर्शी सिद्धान्तों में संस्कृत शिक्षा के अध्ययन अध्यापन तथा शोध कार्य की विशेष सम्भावनाएं विद्यमान है। अतः विषयोक्त विषय पर विचार आमन्त्रित है।

निदेशक
आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय उज्जैन (म.प्र.)

संस्तुति – समिति सदस्य डॉ. अखिलेश कुमार द्विवेदी ने वताया की विश्वविद्यालय के संस्कृत शिक्षण प्रशिक्षण केन्द्र की ओर से सरल मानक संस्कृत तथा अनुवाद कार्यशाला के लिए प्रस्ताव भेजा जा चुका है। विविध संस्थाओं के संस्कृत ध्येयवाक्यों पर विस्तृत सन्दर्भ तैयार करने की भी कार्ययोजना पर विश्वविद्यालय को कार्य करना चाहिए। विश्वविद्यालय द्वारा संस्कृत विषय को संस्कृत में ही पढाए जाने हेतु एक ओरियेन्टेशन प्रोग्राम का आयोजन आई क्यू ए सी द्वारा किया जाए। जिसमे बाह्य संस्थायों के शिक्षकों को भी आमन्त्रित किया जाए।

कार्यान्वयन – विद्या विभाग तथा आई क्यू ए सी द्वारा कारवाही प्रक्रिया में है।

क्र. 6. – विश्वविद्यालय में CBCS पाठ्यक्रम लागू करने विषयक।

यू.जी.सी. की गाइडलाइन के अनुसार स्नातको स्तर कक्षाओं में CBCS का पाठ्यक्रम सत्र 22-23 से विश्वविद्यालय के अध्यापन विभागों मे लागू किया जा चुका है।

संस्तुति – माननीय कुलपति जी ने निर्देश प्रदान किया की महाविद्यालयों में भी CBCS पाठ्यक्रम आगामी सत्र से लागु किया जाए। इसके लिए शीघ्र ही विद्यापरिषद् की वैठक में उपर्युक्त प्रस्ताव का अनुमोदन प्राप्त किया जाए। उक्त कार्य हेतु विद्याविभाग को निर्देशित किया गया।

कार्यान्वयन – विद्या विभाग द्वारा कार्यवाही प्रक्रिया में है।

क्र. 8 - अध्यक्ष की अनुमति से अन्य विषय।

गैर शैक्षणिक कर्मचारियों के लिए ई-फाईलिंग कार्यशाला का आयोजन करने विषयक।

टीप – शासन के निर्देशानुसार ई-फाईलिंग प्रक्रिया प्रचलित है। आगामी समय में शासन के समस्त कार्य ई-फाईलिंग के माध्यम से किए जाने सुनिश्चित किए जायेंगे। अतः ई-फाईलिंग कार्यशाला कार्यालयीन गैर शैक्षणिक कर्मचारियों हेतु करवाना प्रस्तावित है।

संस्तुति – शासन के निर्देशानुसार ई-फाईलिंग कार्यशाला निदेशक के मार्गदर्शन में करवाई जाना उचित है। इस हेतु संस्तुति की जाती है।

कार्यान्वयन – आई.क्यू.ए.सी द्वारा दिनांक 3 से 7 मार्च 2023 को गैर शैक्षणिक कर्मचारियों के लिए पञ्च दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया है।

गैर शैक्षणिक कर्मचारियों के लिए कम्प्यूटर प्रविणता प्रशिक्षण करवाने विषयक।

टीप – मध्यप्रदेश शासन ने अनेक प्रकार की कम्प्यूटर प्रावीणता परीक्षा आयोजित की जाने लगी है। इस सन्दर्भ में विश्वविद्यालय के कर्मचारियों हेतु उक्त कार्य करवाना प्रस्तावित है।

संस्तुति – टीप अनुसार कार्य सम्पादित किया जा सकता है।

कार्यान्वयन – आई.क्यू.ए.सी द्वारा 25 से 28 अप्रैल 2023 को गैर शैक्षणिक कर्मचारियों के लिए चार दिवस कार्यशाला का आयोजन किया गया है।

निदेशक
आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय उज्जैन (म.प्र.)

विषय क्र. 2 – विश्वविद्यालय के अध्ययन मण्डलो में छात्र प्रतिनिधि का मनोनयन करने विषयक।

टीप – विश्वविद्यालय के अध्ययन मण्डलो में छात्रों का पक्ष जानने की दृष्टि से छात्र प्रतिनिधि को सम्मिलित किया जाना उचित है।

संस्तुति –

कार्यान्वयन –

विषय क्र. 3 – छात्रों के लिए प्रेरणा व्याख्यान आयोजन करने विषयक।

टीप – नव प्रवेशित छात्रो को संस्कृत भाषा एवं साहित्य के महत्त्व से परिचित कराने की दृष्टि से विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन सत्रारम्भ के दिन किया जाना प्रस्तावित है।

संस्तुति -

कार्यान्वयन –

विषय क्र 4 – नैक मूल्याङ्कण हेतु ऑनलाईन आवेदन प्रस्तुत करने विषयक।

टीप – विश्वविद्यालय की नैक टीम द्वारा नैक मूल्याङ्कण हेतु IIQA फाइल सवमिट किया जाना प्रस्तावित है।

संस्तुति –

कार्यान्वयन –

निदेशक
आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय उज्जैन (म.प्र.)

विषय क्र. 5 – कार्यशाला एवं राष्टीय संगोष्ठिया आयोजन करने विषयक।

टीप – विश्वविद्यालय अध्यापन विभागो द्वारा कार्यशाला एवं संगोष्ठीओ तथा विशेष व्याख्यानो का आयोजन किया जाना प्रस्तावित है।

संस्तुति –

कार्यान्वयन –

विषय क्र.6 – पौधारोपण करवाने विषयक

टीप – विश्वविद्यालय में नक्षत्र एवं नवग्रह से सम्बन्धित पौधो का आरोपण किया जाना प्रस्तावित है।

संस्तुति –

कार्यान्वयन –

विषय क्र.7 - अध्यक्ष की अनुमति से अन्य विषय

परिसर में छात्रों एवं स्टाफ की सुविधा के लिए कैन्टिन प्रारम्भ करने विषयक।

टीप – समिति सदस्य छात्रा प्रतिनिधि नर्मदा परमार द्वारा परिसर में कैन्टिन व्यवस्था प्रारम्भ करने हेतु अनुरोध किया गया। जिसे मान्य करते हुए महिला स्वसहायता समूह से चर्चा कर कैन्टिन प्रारम्भ करने को कहा गया।

संस्तुति -

कार्यान्वयन –

निदेशक
आन्तरिक गुणवत्ता एवं आश्वासन प्रकोष्ठ
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय

Maharshi Panini Sanskrit Evam Vedic Vishwavidyalaya

देवासमार्ग, उज्जैन, (मध्यप्रदेश). 456010

Website:- www.mpsvv.ac.in

क्र./आई.क्यू. ए. सी/23/19 दिनांक – 02.06.2023

आन्तरिक गुणवत्ता एवं आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC)

सूचना

प्रति,

सम्माननीय सदस्य गण

आई. क्यू. ए. सी.

म.पा.सं.वि.वि, उज्जैन

विषय – आई. क्यू. ए. सी की वैठक में उपस्थित होने विषयक।

महोदय,

सहर्ष सूच्य है कि आई. क्यू. ए. सी की दशवीं वैठक आई.क्यू.ए.सी के अध्यक्ष माननीय कुलपति जी के आदेशानुसार दिनांक 09.06.2023 को विश्वविद्यालय के संगोष्ठी कक्ष में आयोजित की गई है।

कृपया उपस्थित होकर बहुमूल्य सुझावों से उपकृत करने का कष्ट करें।

संलग्न – वैठक की कार्यसूची

निदेशक

आई.क्यु.ए.सी

क्र./आई.क्यू. ए. सी/23/20 दिनांक – 02.06.2023

प्रतिलिपि सूचनार्थ–

1. माननीय कुलपति के निज सहायक, म.पा.सं.वै.वि.वि, उज्जैन
2. श्रीमान् कुलसचिव के निज सहायक, म.पा.सं.वै.वि.वि, उज्जैन
3. वित्त नियन्त्रक, म.पा.सं.वै.वि.वि, उज्जैन
4. सभी सम्माननीय सदस्य गण की ओर सूचनार्थ
5. गार्डफाइल

निदेशक

आई.क्यु.ए.सी

निदेशक
आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय उज्जैन (म.प्र.)

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय

Maharshi Panini Sanskrit Evam Vedic Vishwavidyalaya

देवासमार्ग, उज्जैन, (मध्यप्रदेश). 456010

Website:- www.mpsvv.ac.in

क्र./मपासंवि/आई.क्यू. ए. सी/23/18 दिनांक – 10.01.2023

आन्तरिक गुणवत्ता एवं आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC)

नौवीं वैठक का कार्यवृत्त

वैठक दिनांक – 10 जनवरी 2023

वैठक का समय – 11.00 A.M

विषय क्रमांक 1 - विगत बैठक का कार्यपालन प्रतिवेदन

क्र. 01 – विश्वविद्यालय के लिए NAAC की ग्रेडिंग प्राप्ति हेतु कार्ययोजना विषयक।

टीप – विश्वविद्यालय के अकादमिक गुणवत्ता सम्बर्धन हेतु तथा आर्थिक अनुदान प्राप्ति के लिए विश्वविद्यालय का नैक से मूल्याङ्कण करवा कर ग्रेडिंग प्राप्त करना आवश्यक है।

संस्तुति – आवश्यक कारवाही की जाए।

कार्यान्वयन – NAAC हेतु समिति का गठन कर आवश्यक कार्यवाही प्रक्रिया में है। आवश्यक मार्गदर्शन प्राप्त करने हेतु प्रो. कविता होले, कविकुलगुरुकालिदाससंस्कृतविश्वविद्यालय, नागपुर को मार्गदर्शक नियुक्त किया गया है।

क्र. 02 – विश्वविद्यालय की 12B मान्यता विषयक।

टीप – विश्वविद्यालय के शैक्षिक उन्नयन हेतु विश्वविद्यालय की 12B की मान्यता प्राप्त करना आवश्यक है।

संस्तुति – यू.जी.सी को शीघ्र ही प्रस्ताव वनाकर प्रेषित किया जाए।

कार्यान्वयन – आई.क्यू.ए.सी द्वारा प्रस्ताव तैयार कर यू.जी.सी. को दिनांक 13 जुलाई 2022 को प्रस्ताव प्रेषित किया जा चुका है।

क्र. 03 – विविध शैक्षणिक संस्थाओं के साथ अनुबंध विषयक।

टीप – अन्तर्विषयी शोध को बढावा देने की दृष्टि से विभिन्न शैक्षणिक संस्थाओ के साथ अनुबन्ध किया जाना प्रस्तावित है।

संस्तुति – टीप अनुसार इच्छुक संस्थाओ के साथ अनुबन्ध किया जाए।

कार्यान्वयन – विश्वविद्यालय द्वारा निम्नलिखित संस्थाओ के मध्य अनुबन्ध (MoU) किया गया है।

निदेशक
आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय उज्जैन (म.प्र.)

A. कविकुलगुरु कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय, रामटेक, नागपुर

B. चिल्ड्रेन यूनिवर्सिटी गाँधी नगर, गुजरात

C. सिंधिया प्राच्य विद्या शोध प्रतिष्ठान, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

D. महर्षि वेदव्यास एम. आई.टी.स्कूल ऑफ वैदिक स्टाडीज, पुणे

E. कर्णाटक संस्कृत विश्वविद्यालय, बेंगलुरू

F. महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान, भोपाल

G. नेपाल संस्कृत विश्वविद्यालय, बेलझुण्डी, दाँग, नेपाल

H. सेंटल फॉर शास्त्रीक स्टाडिज एण्ड रिसर्च इन ल, नागपुर, महाराष्ट्र

I. ठाकुर पर्वतसिंह संग्रहालय, अश्विनी शोध संस्थान, महिदपुर, उज्जैन, मध्यप्रदेश

J. आई.आई.टी. इन्दौर के साथ चर्चा चल रही है।

विशेष – जिन संस्थाओं के साथ शैक्षणिक अनुबन्ध किया गया है। उन संस्थाओं के साथ मिलकर वर्ष में कम से कम एकवार कार्याशाला/शोध संगोष्ठी/ परिचर्चा आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना चाहिए। इसके लिए विश्वविद्यालय में कार्यरत सम्बन्धित शिक्षक को संयोजक नियुक्त किया जाए। जो आवश्यक कार्यवाही समय समय में सम्पादित करेगा।

क्र. 04 – विश्वविद्यालय में CBCS पाठ्यक्रम लागू करने विषयक।

टीप – विद्यार्थिओं को स्नातकोत्तर स्तर पर मुख्य विषय के अतिरिक्त अन्य संकायो के विषयो का अध्ययन सौविध्य उपलब्ध कराने की दृष्टि से विश्वविद्यालय में CBCS पाठ्यक्रम लागु किया जाना प्रस्तावित है।

संस्तुति – टीप अनुसार पाठ्यक्रम तैयार करवा कर इसी सत्र से लागु किया जाए।

कार्यान्वयन – यू.जी.सी. की गाइडलाइन के अनुसार स्नातको स्तर कक्षाओं में CBCS का पाठ्यक्रम सत्र 22-23 से विश्वविद्यालय के अध्यापन विभागों मे लागु किया जा चुका है।

क्र. 05 – अन्तरविषयी शोध को बढावा देने हेतु कार्ययोजना पर विचार।

टीप – अन्तरविषयी शोध को बढावा देने के लिए अन्तर्विषय विशेषज्ञ आचार्यों एवं शोधार्थियों के लिए कार्ययोजना बनाया जाना प्रस्तावित है।

संस्तुति – टीप अनुसार कारवाही की जाए।

कार्यान्वयन – आई क्यू ए सी द्वारा उक्त सन्दर्भ में कार्यशाला का आयोजन किया जाना है।

निदेशक
आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक वि.वि. उज्जैन (म.प्र.)

विशेष – आई क्यू ए सी द्वारा अन्तर्विषयी शोध को बढावा देने कि लिए ऑनलाइन अथवा ऑफलाइन कार्याशाला आयोजित करने हेतु आई क्यू ए सी के सदस्य प्रो. गण्टी एस. मूर्ति आई. आई. टी, इन्दौर से विशेष परामर्श किया गया है।

क्र. 06 – भारतीय ज्ञान परम्परा (IKS) में विश्वविद्यालय की भूमिका तय करने पर विचार।

टीप – सस्कृत वाङ्मय भारतीय ज्ञान परम्परा का मूल स्त्रोत है। अतः इस विश्वविद्यालय को भारतीय ज्ञान परम्परा (IKS) के परियोजनाओं में सक्रिय सहयोग की आवश्यकता है।

संस्तुति – टीप अनुसार कारवाही तय की जाए।

कार्यान्वयन – इन्टर्नशिप तथा परियोजना कार्य प्राप्त हुए है। जिसमें कार्य चल रहा है।

सिद्धान्त नॉलेज फाउण्डेशन, चेन्नाई द्वार इन्टर्नशिप हैतु श्री आदित्य दत्त शर्मा का चयन।

IKS द्वारा इन्टर्नशिप हेतु शोधछात्रा दर्शना शर्मा का चयन।

IKS द्वारा डॉ शुभम जी द्वारा प्रस्तुत प्रोजेक्ट "ग्राम वास्तु परीक्षण परियोजना" स्वीकृत।

क्र. 07. – विश्वविद्यालय के शोध केन्द्रों में वृद्धि विषयक

टीप – विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालय सम्पूर्ण मध्यप्रदेश में है। अतः जिन महाविद्यालयों में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम सञ्चालित है वहा शोध केन्द्र स्थापित किए जा सकते है।

संस्तुति – शोध केन्द्र नियमावली वनाकर आवश्यक कारवाही की जाए।

कार्यान्वयन – विश्वविद्यालय के शोध विभाग द्वारा प्रस्तुत शोध केन्द्र हेतु नियमावली को आई क्यू ए सी द्वारा अनुमोदित किया गया। जिसे आगामी विद्यापरिषद में अनुमोदन हेतु रखा जाएगा।

क्र. 08 - अध्यक्ष की अनुमति से अन्य विषय

गैर शैक्षणिक कर्मचारियों के लिए संस्कृत सम्भाषण वर्ग आयोजन करने विषयक।

टीप – विश्वविद्यालय परिसर में शैक्षणिक कार्यो के अतिरिक्त प्रशासनिक कार्यो में भी संस्कृत भाषा का प्रयोग हो, इस हेतु गैर शैक्षणिक कर्मचारियों के लिए संस्कृत सम्भाषण वर्ग आयोजन किया जाना चाहिये।

संस्तुति – टीप अनुसार संस्कृत शिक्षण प्रशिक्षण ज्ञान विज्ञान सम्बर्धन केन्द्र द्वारा किया जाए।

कार्यान्वयन – संस्कृत शिक्षण प्रशिक्षण ज्ञान विज्ञान संबर्धन केन्द्र द्वारा दिनांक 08 अगस्त से 10 अगस्त 2022 को त्रिदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया है।

ई गवर्नेन्स प्रशिक्षण करवाने विषयक।

टीप – विश्वविद्यालय के गैर शैक्षणिक कर्मचारियों हेतु ई-गवर्नेन्स के अन्तर्गत शासकीय सेवाओं को इलेक्ट्रनिक माध्यम से सञ्चालित किया जाना आवश्यक है। इस हेतु ई गवर्नेन्स प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन करना प्रस्तावित है।

निदेशक
आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ
कवि कुलगुरु कालिदास संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय उज्जैन (म.प्र.)

संस्तुति – सर्वसम्मति से ई गवर्नेन्स प्रशिक्षण करवाने हेतु समिति संस्तुति करती है।

कार्यान्वयन – आई.क्यू.ए.सी द्वारा दिनांक 21 से 23 सितम्बर 2022 को गैर शैक्षणिक कर्मचारियों के लिए ई-गवर्नेन्स कार्यशाला का आयोजन किया गया।

विषय क्रमांक 2 – विश्वविद्यालय के लिए NAAC की ग्रेडींग प्राप्ति हेतु कार्ययोजना विषयक।

टीप – विश्वविद्यालय को NAAC द्वारा मूल्यांकन एवं प्रत्यायन करवाया जाना है। तत्सन्दर्भ में आवश्यक कार्यवाही प्रारम्भ है। समिति सदस्यों का उक्त सन्दर्भ में मार्गदर्शन अपेक्षित है।

संस्तुति – नैक टीम के द्वारा किए जा रहे कार्य की जानकारी प्राप्त कि गई। नैक संयोजक डॉ शुभम शर्मा ने वताया की एस. एस. आर् लगभग तैयार है। 18 दिसम्बर को कर्णाटक संस्कृत विश्वविद्यालय से प्रो. शिवानी को विशिष्ट मार्गदर्शन तथा व्याख्यान हेतु आमन्त्रित किया गया है। इस कार्य के लिए प्रो. कविता होले, कविकुलगुरु कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय, नागपुर को मार्गदर्शक नियुक्त कर नैक तैयारी की कारवाही चल रही है। आशा है आगामि दिनों में तैयारी शीघ्र पूर्ण कर ली जाएगी।

कार्यान्वयन – नैक संयोजक द्वारा किया जाए।

विषय क्रमांक 3 - विविध शैक्षणिक संस्थाओं के साथ अनुबंध विषयक।

टीप – विश्वविद्यालय द्वारा शैक्षणिक परिलब्धियों को साझा करने तथा मिलकर कार्य करने की दृष्टि से अनेक शैक्षणिक संस्थाओं के साथ अनुबंध किया गया है। जो विषय क्रमांक 1 में उल्लिखित है। अन्य संस्थायों के साथ अनुबन्ध (MOU) हेतु विचार आमन्त्रित है।

संस्तुति - जिन संस्थाओं के साथ शैक्षणिक अनुबन्ध किया गया है। उन संस्थाओं के साथ मिलकर वर्ष में कम से कम एकवार कार्याशाला/शोध संगोष्ठी/ परिचर्चा आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना चाहिए। इसके लिए विश्वविद्यालय में कार्यरत सम्बन्धित शिक्षक को संयोजक नियुक्त किया जाए। जो आवश्यक कारवाही समय समय में सम्पादित करेगा। समिति सदस्यों ने सुझाव दिया की विक्रमादित्य शोध पीठ, उज्जैन के साथ अनुबन्ध किया जा सकता है।

कार्यान्वयन – विद्याविभाग द्वारा किया जाए।

विषय क्रमांक 4 - अन्तरविषयी शोध को बढावा देने हेतु कार्ययोजना पर विचार।

टीप – संस्कृत में सभी प्रकार की विद्याओं, विज्ञानों तथा विषयों का विवेचन प्राप्त होता है। भारतीय ज्ञान परम्परा को समग्र रूप से समझने के लिए प्राचीन ज्ञान का आधुनिक ज्ञान के साथ समन्वय कर शोध कार्य किया जाना आवश्यक है। उक्त विषय पर कार्ययोजना हेतु विचार आमन्त्रित है।

संस्तुति - आई क्यू ए सी द्वारा अन्तर्विषयी शोध को बढावा देने कि लिए ऑनलाइन अथवा ऑफलाइन कार्याशाला आयोजित किया जाए। इस सन्दर्भ में आई क्यू ए सी के सदस्य प्रो. गण्टी एस. मूर्ति आई. आई.

निदेशक
आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ

टी, इन्दौर से विशेष परामर्श किया जाए। समिति सदस्यों ने सुझाव दिया की शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, उज्जैन के साथ मिलकर योग तथा आयुर्वेद विषय पर अन्तर्विषयी कार्यशाला आयोजित की जा सकती है।

कार्यान्वयन – शोध विभाग तथा आई क्यू ए सी द्वारा किया जाए।

विषय क्रमांक 5 - भारतीय ज्ञान परम्परा (IKS) में विश्वविद्यालय की भूमिका तय करने पर विचार।

टीप – यह विश्वविद्यालय भारतीय ज्ञान परम्परा के संरक्षण तथा संवर्धन हेतु स्थापित है। केनद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना "भारतीय ज्ञान परम्परा" आधुनिक ज्ञान-विज्ञान को प्राचीन ज्ञान-विज्ञान के साथ अध्ययन तथा शोध को बढावा देने के लिए कार्य कर रही है। विश्वविद्यालय उक्त दिशा में महत्वपूर्ण सहयोगी बनकर योजना के सफल क्रियान्वयन में अपनी भूमिका अदा कर सकता है। उक्त पर विचार आमन्त्रित है।

संस्तुति – भारतीय ज्ञान परम्परा पर केन्द्रित कार्यशाला अथवा संगोष्ठी का आयोजन आई क्यू ए सी द्वारा किया जाए। माननीय कुलपति जी ने निर्देश किया की राजा भोज द्वारा चौराशी ग्रन्थ लिखे गए है। जिनपर प्रामाणिक संस्कृत व्याख्या तथा हिन्दी व्याख्या की आवश्यकता है। अतः विश्वविद्यालय में कार्यरत शिक्षक तथा बाह्य संस्थायों में कार्यरत शिक्षकों से चर्चा कर उक्त कार्य को करवाया जा सकता है। तथा राजा भोज के ग्रन्थों की पूरी सीरीज् प्रकाशित की जा सकती है। इसके लिए एक प्रोजेक्ट बनाकर आई. के. एस, दिल्ली को भेजा जा सकता है।

कार्यान्वयन – आई क्यू ए सी द्वारा किया जाए।

विषय क्रमांक 6 - राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुक्रम में संस्कृत के अध्ययन-अध्यापन तथा शोध कार्य की विशेष सम्भावनाओं पर विचार।

टीप – राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भारतीय भाषाओं तथा भारतीय ज्ञान विज्ञान परम्परा को बढावा देने के लिए उल्लिखित मार्गदर्शी सिद्धान्तों में संस्कृत शिक्षा के अध्ययन अध्यापन तथा शोध कार्य की विशेष सम्भावनाएं विद्यमान है। अतः विषयोक्त विषय पर विचार आमन्त्रित है।

संस्तुति – समिति सदस्य डॉ. अखिलेश कुमार द्विवेदी ने वताया की विश्वविद्यालय के संस्कृत शिक्षण प्रशिक्षण केन्द्र की ओर से सरल मानक संस्कृत तथा अनुवाद कार्यशाला के लिए प्रस्ताव भेजा जा चुका है। विविध संस्थाओं के संस्कृत ध्येयवाक्यों पर विस्तृत सन्दर्भ तैयार करने की भी कार्ययोजना पर विश्वविद्यालय को कार्य करना चाहिए। विश्वविद्यालय द्वारा संस्कृत विषय को संस्कृत में ही पढाए जाने हेतु एक ओरियेन्टेशन प्रोग्राम का आयोजन आई क्यू ए सी द्वारा किया जाए। जिसमे बाह्य संस्थायों के शिक्षकों को भी आमन्त्रित किया जाए।

कार्यान्वयन – विद्या विभाग तथा आई क्यू ए सी द्वारा किया जाए।

विषय क्रमांक 7. – विश्वविद्यालय में CBCS पाठ्यक्रम लागू करने विषयक।

निदेशक
आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ

यू.जी.सी. की गाइडलाइन के अनुसार स्नातको स्तर कक्षाओं में CBCS का पाठ्यक्रम सत्र 22-23 से विश्वविद्यालय के अध्यापन विभागों मे लागू किया जा चुका है।

संस्तुति – माननीय कुलपति जी ने निर्देश प्रदान किया की महाविद्यालयों में भी CBCS पाठ्यक्रम आगामी सत्र से लागु किया जाए। इसके लिए शीघ्र ही विद्यापरिषद् की बैठक में उपर्युक्त प्रस्ताव का अनुमोदन प्राप्त किया जाए। उक्त कार्य हेतु विद्याविभाग को निर्देशित किया गया।

कार्यान्वयन – विद्या विभाग द्वारा किया जाए।

विषय क्रमांक 8 - अध्यक्ष की अनुमति से अन्य विषय।

गैर शैक्षणिक कर्मचारियों के लिए ई-फाईलिंग कार्यशाला का आयोजन करने विषयक।

टीप – शासन के निर्देशानुसार ई-फाईलिंग प्रक्रिया प्रचलित है। आगामी समय में शासन के समस्त कार्य ई-फाईलिंग के माध्यम से किए जाने सुनिश्चित किए जायेंगे। अतः ई-फाईलिंग कार्यशाला कार्यालयीन गैर शैक्षणिक कर्मचारियों हेतु करवाना प्रस्तावित है।

संस्तुति – शासन के निर्देशानुसार ई-फाईलिंग कार्यशाला निदेशक के मार्गदर्शन में करवाई जाना उचित है। इस हेतु संस्तुति की जाती है।

कार्यान्वयन – आई.क्यू.ए.सी।

गैर शैक्षणिक कर्मचारियों के लिए कम्प्यूटर प्रविणता प्रशिक्षण करवाने विषयक।

टीप – मध्यप्रदेश शासन ने अनेक प्रकार की कम्प्यूटर प्रावीणता परीक्षा आयोजित की जाने लगी है। इस सन्दर्भ में विश्वविद्यालय के कर्मचारियों हेतु उक्त कार्य करवाना प्रस्तावित है।

संस्तुति – टीप अनुसार कार्य सम्पादित किया जा सकता है।

कार्यान्वयन – आई.क्यू.ए.सी।

निदेशक (IQAC)
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक
विश्वविद्यालय, उज्जैन
निदेशक

कुलपतिः
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं
वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय

Maharshi Panini Sanskrit Evam Vedic Vishwavidyalaya

देवासमार्ग, उज्जैन, (मध्यप्रदेश). 456010

Website:- www.mpsvv.ac.in

आन्तरिक गुणवत्ता एवं आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC)

नौवी वैठक की कार्य सूची

वैठक दिनांक – 10 जनवरी 2023

वैठक का समय – 11.00 A.M

विषय क्रमांक 1 - विगत बैठक का कार्यपालन प्रतिवेदन

क्र. 01 – विश्वविद्यालय के लिए NAAC की ग्रेडिंग प्राप्ति हेतु कार्ययोजना विषयक।

टीप – विश्वविद्यालय के अकादमिक गुणवत्ता सम्वर्धन हेतु तथा आर्थिक अनुदान प्राप्ति के लिए विश्वविद्यालय का नैक से मूल्याङ्कण करवा कर ग्रेडिंग प्राप्त करना आवश्यक है।

संस्तुति – आवश्यक कारवाही की जाए।

कार्यान्वयन – NAAC हेतु समिति का गठन कर आवश्यक कार्यवाही प्रक्रिया में है। आवश्यक मार्गदर्शन प्राप्त करने हेतु प्रो. कविता होले, कविकुलगुरुकालिदाससंस्कृतविश्वविद्यालय, नागपुर को मार्गदर्शक नियुक्त किया गया है।

क्र. 02 – विश्वविद्यालय की 12B मान्यता विषयक।

टीप – विश्वविद्यालय के शैक्षिक उन्नयन हेतु विश्वविद्यालय की 12B की मान्यता प्राप्त करना आवश्यक है।

संस्तुति – यू.जी.सी को शीघ्र ही प्रस्ताव वनाकर प्रेषित किया जाए।

कार्यान्वयन – आई.क्यू.ए.सी द्वारा प्रस्ताव तैयार कर यू.जी.सी. को दिनांक 13 जुलाई 2022 को प्रस्ताव प्रेषित किया जा चुका है।

क्र. 03. – विविध शैक्षणिक संस्थाओं के साथ अनुबंध विषयक।

टीप – अन्तर्विषयी शोध को बढावा देने की दृष्टि से विभिन्न शैक्षणिक संस्थाओ के साथ अनुबन्ध किया जाना प्रस्तावित है।

संस्तुति – टीप अनुसार इच्छुक संस्थाओ के साथ अनुबन्ध किया जाए।

कार्यान्वयन – विश्वविद्यालय द्वारा निम्नलिखित संस्थाओ के मध्य अनुबन्ध (MoU) किया गया है।

निदेशक
आन्तरिक गुणवत्ता आ

क्र. 06. – भारतीय ज्ञान परम्परा (IKS) में विश्वविद्यालय की भूमिका तय करने पर विचार।

टीप – सस्कृत वाङ्मय भारतीय ज्ञान परम्परा का मूल स्त्रोत है। अतः इस विश्वविद्यालय को भारतीय ज्ञान परम्परा (IKS) के परियोजनाओं में सक्रिय सहयोग की आवश्यकता है।

संस्तुति – टीप अनुसार कारवाही तय की जाए।

कार्यान्वयन – इन्टर्नशइप तथा परियोजना कार्य प्राप्त हुए है। जिसमें कार्य चल रहा है।

सिद्धान्त नॉलेज फाउण्डेशन, चेन्नाई द्वार इन्टर्नशिप हैतु श्री आदित्य दत्त शर्मा का चयन।

IKS द्वारा इन्टर्नशिप हेतु शोधछात्रा दर्शना शर्मा का चयन।

IKS द्वारा डॉ शुभम जी द्वारा प्रस्तुत प्रोजेक्ट "ग्राम वास्तु परीक्षण परियोजना" स्वीकृत।

क्र. 07. – विश्वविद्यालय के शोध केन्द्रों में वृद्धि विषयक

टीप – विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालय सम्पूर्ण मध्यप्रदेश में है। अतः जिन महाविद्यालयों में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम सञ्चालित है वहा शोध केन्द्र स्थापित किए जा सकते है।

संस्तुति – शोध केन्द्र नियमावली वनाकर आवश्यक कारवाही की जाए।

कार्यान्वयन – विश्वविद्यालय के शोध विभाग द्वारा प्रस्तुत शोध केन्द्र हेतु नियमावली को आई क्यू ए सी द्वारा अनुमोदित किया गया। जिसे आगामी विद्यापरिषद में अनुमोदन हेतु रखा जाएगा।

क्र. 08 – अध्यक्ष की अनुमति से अन्य विषय

गैर शैक्षणिक कर्मचारियों के लिए संस्कृत सम्भाषण वर्ग आयोजन करने विषयक।

टीप – विश्वविद्यालय परिसर में शैक्षणिक कार्यो के अतिरिक्त प्रशासनिक कार्यो में भी संस्कृत भाषा का प्रयोग हो, इस हेतु गैर शैक्षणिक कर्मचारियों के लिए संस्कृत सम्भाषण वर्ग आयोजन किया जाना चाहिये।

संस्तुति – टीप अनुसार संस्कृत शिक्षण प्रशिक्षण ज्ञान विज्ञान सम्बर्धन केन्द्र द्वारा किया जाए।

कार्यान्वयन – संस्कृत शिक्षण प्रशिक्षण ज्ञान विज्ञान संबर्धन केन्द्र द्वारा दिनांक 08 अगस्त से 10 अगस्त 2022 को त्रिदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया है।

ई गवर्नेन्स प्रशिक्षण करवाने विषयक।

टीप – विश्वविद्यालय के गैर शैक्षणिक कर्मचारियों हेतु ई-गवर्नेन्स के अन्तर्गत शासकीय सेवाओं को इलेक्ट्रनिक माध्यम से सञ्चालित किया जाना आवश्यक है। इस हेतु ई गवर्नेन्स प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन करना प्रस्तावित है।

संस्तुति – सर्वसम्मति से ई गवर्नेन्स प्रशिक्षण करवाने हेतु समिति संस्तुति करती है।

कार्यान्वयन – आई.क्यू.ए.सी द्वारा दिनांक 21 से 23 सितम्बर 2022 को गैर शैक्षणिक कर्मचारियों के लिए ई-गवर्नेन्स कार्यशाला का आयोजन किया गया।

निदेशक
आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ

A. कविकुलगुरु कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय, रामटेक, नागपुर

B. चिल्ड्रेन यूनिवर्सिटी गाँधी नगर, गुजरात

C. सिंधिया प्राच्य विद्या शोध प्रतिष्ठान, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

D. महर्षि वेदव्यास एम. आई.टी.स्कूल ऑफ वैदिक स्टाडीज, पुणे

E. कर्णाटक संस्कृत विश्वविद्यालय, बेंगलुरू

F. महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान, भोपाल

G. नेपाल संस्कृत विश्वविद्यालय, बेलझुण्डी, दाँग, नेपाल

H. सेंटल फॉर शास्त्रीक स्टाडिज एण्ड रिसर्च इन ल, नागपुर, महाराष्ट्र

I. ठाकुर पर्वतसिंह संग्रहालय, अश्विनी शोध संस्थान, महिदपुर, उज्जैन, मध्यप्रदेश

J. आई.आई.टी. इन्दौर के साथ चर्चा चल रही है।

विशेष – जिन संस्थाओं के साथ शैक्षणिक अनुबन्ध किया गया है। उन संस्थाओं के साथ मिलकर वर्ष में कम से कम एकवार कार्याशाला/शोध संगोष्ठी/ परिचर्चा आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना चाहिए। इसके लिए विश्वविद्यालय में कार्यरत सम्बन्धित शिक्षक को संयोजक नियुक्त किया जाए। जो आवश्यक कार्यवाही समय समय में सम्पादित करेगा।

क्र. 04. – विश्वविद्यालय में CBCS पाठ्यक्रम लागू करने विषयक।

टीप – विद्यार्थिओं को स्नातकोत्तर स्तर पर मुख्य विषय के अतिरिक्त अन्य संकायो के विषयो का अध्ययन सौविध्य उपलब्ध कराने की दृष्टि से विश्वविद्यालय में CBCS पाठ्यक्रम लागु किया जाना प्रस्तावित है।

संस्तुति – टीप अनुसार पाठ्यक्रम तैयार करवा कर इसी सत्र से लागु किया जाए।

कार्यान्वयन – यू.जी.सी. की गाइडलाइन के अनुसार स्नातको स्तर कक्षाओं में CBCS का पाठ्यक्रम सत्र 22-23 से विश्वविद्यालय के अध्यापन विभागों मे लागु किया जा चुका है।

क्र. 05. – अन्तरविषयी शोध को बढावा देने हेतु कार्ययोजना पर विचार।

टीप – अन्तरविषयी शोध को बढावा देने के लिए अन्तर्विषय विशेषज्ञ आचार्यों एवं शोधार्थियों के लिए कार्ययोजना बनाया जाना प्रस्तावित है।

संस्तुति – टीप अनुसार कारवाही की जाए।

कार्यान्वयन – आई क्यू ए सी द्वारा उक्त सन्दर्भ में कार्यशाला का आयोजन किया जाना है।

विशेष – आई क्यू ए सी द्वारा अन्तर्विषयी शोध को बढावा देने कि लिए ऑनलाइन अथवा ऑफलाइन कार्याशाला आयोजित करने हेतु आई क्यू ए सी के सदस्य प्रो. गण्टी एस. मूर्ति आई. आई. टी, इन्दौर से विशेष परामर्श किया गया है।

निदेशक
आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ

कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग प्रशिक्षण करवाने विषयक।

टीप – गैर शैक्षणिक कर्मचारियों की शैक्षणिक गुणवत्ता के अभिवर्धन हेतु कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग प्रशिक्षण करवाया जाना प्रस्तावित है।

संस्तुति – सर्वसम्मति से कम्प्यूटर प्रशिक्षण करवाने हेतु अनुसंशा की गई।

कार्यान्वयन – आई.क्यू.ए.सी द्वारा दिनांक 18 से 24 दिसम्बर 2022 को गैर शैक्षणिक कर्मचारियों के लिए सप्तदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

विषय क्रमांक 2 – विश्वविद्यालय के लिए NAAC की ग्रेडींग प्राप्ति हेतु कार्ययोजना विषयक।

टीप – विश्वविद्यालय को NAAC द्वारा मूल्यांकन एवं प्रत्यायन करवाया जाना है। तत्सन्दर्भ में आवश्यक कार्यवाही प्रारम्भ है। समिति सदस्यों का उक्त सन्दर्भ में मार्गदर्शन अपेक्षित है।

संस्तुति –

कार्यान्वयन –

विषय क्रमांक 3 - विविध शैक्षणिक संस्थाओं के साथ अनुबंध विषयक।

टीप – विश्वविद्यालय द्वारा शैक्षणिक परिलब्धियों को साझा करने तथा मिलकर कार्य करने की दृष्टि से अनेक शैक्षणिक संस्थाओं के साथ अनुबंध किया गया है। जो विषय क्रमांक 1 में उल्लिखित है। अन्य संस्थायों के साथ अनुबन्ध (MOU) हेतु विचार आमन्त्रित है।

संस्तुति –

कार्यान्वयन –

निदेशक
आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ

विषय क्रमांक 4 - अन्तरविषयी शोध को बढावा देने हेतु कार्ययोजना पर विचार।

टीप – संस्कृत में सभी प्रकार की विद्याओं, विज्ञानों तथा विषयों का विवेचन प्राप्त होता है। भारतीय ज्ञान परम्परा को समग्र रूप से समझने के लिए प्राचीन ज्ञान का आधुनिक ज्ञान के साथ समन्वय कर शोध कार्य किया जाना आवश्यक है। उक्त विषय पर कार्ययोजना हेतु विचार आमन्त्रित है।

संस्तुति -

कार्यान्वयन –

विषय क्रमांक 5 - भारतीय ज्ञान परम्परा (IKS) में विश्वविद्यालय की भूमिका तय करने पर विचार।

टीप – यह विश्वविद्यालय भारतीय ज्ञान परम्परा के संरक्षण तथा संवर्धन हेतु स्थापित है। केन्द्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना "भारतीय ज्ञान परम्परा" आधुनिक ज्ञान-विज्ञान को प्राचीन ज्ञान-विज्ञान के साथ अध्ययन तथा शोध को बढ़ावा देने के लिए कार्य कर रही है। विश्वविद्यालय उक्त दिशा में महत्वपूर्ण सहयोगी बनकर योजना के सफल क्रियान्वयन में अपनी भूमिका अदा कर सकता है। उक्त पर विचार आमन्त्रित है।

संस्तुति –

कार्यान्वयन –

विषय क्रमांक 6 - राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुक्रम में संस्कृत के अध्ययन-अध्यापन तथा शोध कार्य की विशेष सम्भावनाओं पर विचार।

टीप – राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भारतीय भाषाओं तथा भारतीय ज्ञान विज्ञान परम्परा को बढावा देने के लिए उल्लिखित मार्गदर्शी सिद्धान्तों में संस्कृत शिक्षा के अध्ययन अध्यापन तथा शोध कार्य की विशेष सम्भावनाएं विद्यमान है। अतः विषयोक्त विषय पर विचार आमन्त्रित है।

संस्तुति –

कार्यान्वयन –

विषय क्रमांक 7. – विश्वविद्यालय में CBCS पाठ्यक्रम लागू करने विषयक।

टीप - यू.जी.सी. की गाइडलाइन के अनुसार स्नातको स्तर कक्षाओं में CBCS का पाठ्यक्रम सत्र 22-23 से विश्वविद्यालय के अध्यापन विभागों मे लागू किया जा चुका है।

संस्तुति –

कार्यान्वयन –

विषय क्रमांक 8 - अध्यक्ष की अनुमति से अन्य विषय।

निदेशक
आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.)

गैर शैक्षणिक कर्मचारियों के लिए ई-फाईलिंग कार्यशाला का आयोजन करने विषयक।

टीप – शासन के निर्देशानुसार ई-फाईलिंग प्रक्रिया प्रचलित है। आगामी समय में शासन के समस्त कार्य ई-फाईलिंग के माध्यम से किए जाने सुनिश्चित किए जायेंगे। अतः ई-फाईलिंग कार्यशाला कार्यालयीन गैर शैक्षणिक कर्मचारियों हेतु करवाना प्रस्तावित है।

संस्तुति –

कार्यान्वयन -

गैर शैक्षणिक कर्मचारियों के लिए कम्प्यूटर प्रविणता प्रशिक्षण करवाने विषयक।

टीप – मध्यप्रदेश शासन ने अनेक प्रकार की कम्प्यूटर प्रावीणता परीक्षा आयोजित की जाने लगी है। इस सन्दर्भ में विश्वविद्यालय के कर्मचारियों हेतु उक्त कार्य करवाना प्रस्तावित है।

संस्तुति –

कार्यान्वयन -

निदेशक
आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन

निदेशक
आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय उज्जैन (म.प्र.)

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय

Maharshi Panini Sanskrit Evam Vedic Vishwavidyalaya

देवासमार्ग, उज्जैन, (मध्यप्रदेश). 456010

Website:- www.mpsvv.ac.in

क./आई.क्यू. ए. सी/23/17 दिनांक – 02.01.2023

आन्तरिक गुणवत्ता एवं आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC)

सूचना

प्रति,

सम्माननीय सदस्य गण

आई. क्यू. ए. सी.

म.पा.सं.वि.वि, उज्जैन

विषय – आई. क्यू. ए. सी की वैठक में उपस्थित होने विषयक।

महोदय,

सहर्ष सूच्य है कि आई. क्यू. ए. सी की नौवीं वैठक आई.क्यू.ए.सी के अध्यक्ष माननीय कुलपति जी के आदेशानुसार दिनांक 10.01.2023 को गुगल मीट् पर ऑनलाइन वैठक आयोजित की गई है।

कृपया उपस्थित होकर बहुमूल्य सुझावों से उपकृत करने का कष्ट करें।

संलग्न – वैठक की कार्यसूची

निदेशक

आई.क्यु.ए.सी

क./आई.क्यू. ए. सी/23/18 दिनांक – 02.01.2023

प्रतिलिपि सूचनार्थ–

1. माननीय कुलपति के निज सहायक, म.पा.सं.वै.वि.वि, उज्जैन
2. श्रीमान् कुलसचिव के निज सहायक, म.पा.सं.वै.वि.वि, उज्जैन
3. वित्त नियन्त्रक, म.पा.सं.वै.वि.वि, उज्जैन
4. सभी सम्माननीय सदस्य गण की ओर सूचनार्थ
5. गार्डफाइल

निदेशक

आई.क्यु.ए.सी

आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय उज्जैन (म.प्र.)